

१७
२५

पत्रावली केका इन्की वकील वाही उपर।
वकील वाही को प्र निवाही गणो की
नामिल केका इन्की इन्की पत्रलि अन्तर
हिया लाने के इन्की इन्की पत्रलि अन्तर
हिय लाने के बावजूद भी आल हिया
नक नामिल की इन्की केका इन्की
अन्तः वाही को वाह अन्तः आहै।
प्र निथम के तदनु आरिल कियु
लाना ही पत्रावली के लाल का गार होउ
अन्तर से उम होउल होखिल इन्की
(५)

उपखण्ड अधिकारी, दातारामगढ